भगवान महावीर स्मृति ग्रन्थ (फोल्डर नं. ९२०५७)
सम्पादक - डॉ. ज्योति प्रासद जैन

मुख्य टाइटल
प्रकाशकीय वक्तव्य
संपादकीय
विषय क्रम
खण्ड-१ – महावीर वचनामृत ---------- १-२०
खण्ड-२ – महावीर स्तवन ---------- १-४८
प्राकृत पाठ---------- १-६
अपभ्रंश पाठ ---------- ६-८
संस्कृत पाठ ---------- ८-२०
भाषा स्तुतियाँ ---------- २१-४८
खण्ड-३ – महावीर-युग, जीवन और देन ---------- १-६४
तीर्थंकर महावीर – उपाध्याय मुनि विद्यानन्द ---------- १
महावीर की विशेषता – सन्त विनोबा भावे ----------२
महावीर युग में समाज और धर्म की स्थिति – जॉ. ज्योति प्रसाद जैन ----------३
भगवान महावीर – डॉ. वासुदेव शरण अग्रवाल ----------८
मानव उत्कर्ष की ऊर्जा के संवाहक महावीर – श्री लक्ष्मी चन्द्र जैन ---------- ९
भव-भव की साधना – डॉ. कामता प्रसाद जैन ----------१३
यदि महावीर तीर्थंकर नहीं होते – आचार्य तुलसी ---------- १४
चिन्तन के झरोखे से – उपाध्याय अमर मुनि ---------- १५
महावीर कितने ज्ञात, कितने अज्ञात – श्री जमनालाल जैन ---------- १७
अहिंसा के मूर्त स्वरूप – श्री राम नारायण उपाध्याय ---------- १९
महापुरुष महावीर – डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ---------- २०
महावीर की निष्पक्षता का एक प्रसंग – श्री अगरचन्द नाहटा ----------२१
ज्ञातपुत्र की अज्ञात साधना – श्री धनराज शामसुखा ---------- २३
महावीर और मूक जगत – आचार्य रजनीश ---------- २५
भगवान महावीर-जीवन और दर्शन – मुनि श्री राकेश कुमार---------- २६
भगवान महावीर का दुःख बोध – डॉ. हरेन्द्र प्रसाद वर्मा ---------- २७
श्रमण भगवान महावीर – पं. बेचरदास दोशी ---------- २९
समता धर्म के प्ररूपक – महावीर – प्रो. दलसुख मालवणिया ---------- ३२
समत्वस्रष्टा भगवान महावीर – साध्वी अणिमा श्री ---------- ३३
महावीर जीवन दर्शन – एक मूल्यांकन डॉ. धर्म चन्द्र ---------- ३४
समग्र क्रान्ति के दृष्टा – श्री शरद कुमार ---------- ३५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

महावीर के जीवन दर्शन का आधार बिन्दु – डॉ. प्रद्युम्न कुमार जैन ---------- ३७
दुःख औऱ सुख के कारण ---------- ३८
भगवान महावीर के जीवन पर एक दृष्टि – पं. हालाल सिद्धान्ताचार्य ब्यावर ---------- ३९
महावीर की भाषा क्रान्ति – डॉ. नेमिचन्द्र जैन ---------- ४०
महावीर निर्वाण काल – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन ---------- ४१
महावीर ने कहा – मुनि महेन्द्र कुमार प्रथम ---------- ६१
खण्ड-४ – जैन धर्म, दर्शन और संकृति ---------- १-६८
भगवान महावीर का दर्शन और धर्म – सिद्धान्ताचार्य पं. कैलाश चन्द्र शास्त्री ---------- १
जैन न्याय – संक्षिप्त विवेचन – डॉ. दरबारीलाल कोठिया न्यायाचार्य ---------- ११
गृहस्थ जीवन का जैन आदर्श – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन ---------- १७
श्रावक के इक्कीस गुण – कविवर पं. बनारसीदास ---------- २४
भगवान महावीर की मांगलिक विरासत – पं. सुखलालजी ---------- २५
असाम्प्रदायिकता का मूलमंत्र अनेकान्त – मुनि नथमल ---------- २८
महीर और अहिंसा-आज के परिप्रेक्ष्य में – डॉ. दौलतसिंह कोठारी ---------- ३०
वर्तमान युग में महावीर के उपदेशों की सार्थकता – डॉ. प्रभाकर माचवे ---------- ३४
राष्ट्रीय एकता के विकास में जैनधर्म का योग – डॉ. कुसुमलता जैन ---------- ३५
महावीर का धर्म-जनधर्म – श्री रिषभदास रांका ---------- ३८
जैन दर्शन की व्यापकता – डॉ. गोकुलचन्द्र जैन ---------- ३९
अच्छा हिन्दू बनने के लिए अच्छा जैनी बनना आवश्यक है – श्री परिपूर्णानन्द वर्मा ---------- ४४
भगवान महावीर की अहिंसा – आर्यिकारत्न ज्ञानमती माताजी ---------- ४७
महावीर का नैतिकता बोध – डॉ. कमलचन्द्र सोगानी ---------- ४९
जैनधर्म, महावीर और नारी – सुश्री सुशीला कुमारी वैद ---------- ५१
सर्वोदयी जैनधर्म और जातिवाद – पं. परमेष्ठी दास जैन ---------- ५३
बदलते सामाजिक मूल्यों में महावीर की भूमिका – डॉ. उम्मेदमल मुनौत ---------- ५७
क्या महावीर का युग कभी लौटेगा – डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री ---------- ६३
भारतीय वास्तुकला के विकास में जैनधर्म का योगदान – प्रो. कृष्णदत्त बाजपेयी ---------- ६४
खण्ड-५ – शाकाहार ---------- १-५२
शाकाहार बनाम मांसाहार – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन ---------- १
शाकाहार तन्त्र – डॉ. इन्दुभूषण जिंदल ---------- ५
प्राकृतिक भोजन-शाकाहार – श्री प्रताप चन्द्र जैन ---------- १०
वास्तविक दया और अहिंसा ही शाकाहार का सही आधार – कविराज पं. शिव शर्मा ---------- ११
शाकाहारी सिद्धान्त के विभिन्न पक्ष – डॉ. जे. एम. जस्सावाला ----------१३
मैं शाकाहारी क्यों हुआ – महामहिम दलाई लामा ---------- १५
मांसाहार-अनिवार्या जैसी कोई बात नहीं – श्री रामेश्वर दयाल दुबे ----------१८
वैज्ञानिक दृष्टि से हमारा आहार – श्री जवाहर लाल लोढा ----------२१

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

मांसाहार त्याग का सामाजिक मूल्य – मिस कैथरीन हिलमैन ---------- २५
मांसाहार का दुष्परिणाम – डॉ. मोहन बोरा ---------- २६
मछली व मांस में विष – डॉ. एलेग्डर हेंग ---------- २८
मांस भक्षण से हड्डियाँ कमजोर होती हैं ---------- २८
अण्डे कितने घातक, कितने भयानक ---------- २८
मांसाहार निषेधक विश्व-मनीषा ----------३१
शाकाहारी सिद्धान्त का इतिहास – ज्योफ्री एल. रूड ---------- ३८
पश्चिमी देशों में शाकाहार प्रचार करने वाली प्रमुख संस्थाएँ ---------- ३९
संसार के विभिन्न देशों में शाकाहार प्रचार ---------- ४०
तालिकाएँ
खण्ड-६ – उत्तर प्रदेश और जैनधर्म ---------- १-१२८
उत्तर प्रदेश में जैनधर्म का दय और विकास – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन---------- १
उत्तर प्रदेश के जैन तीर्थ एवं सांस्कृतिक केनद्र – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन ---------- २९
उत्तर प्रदेश के जैन सन्त – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन---------- ६७
उत्तर प्रदेश के जैन साहित्यकार – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन ---------- ७१
उत्तर प्रदेश के जैन पत्र और पत्रकार – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन ----------८१
उत्तर प्रदेश के जैन स्वतन्त्रता सेनानी – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन ---------- ८४
उत्तर प्रदेश की जैन संस्थाएँ – डॉ. ज्योति प्रसाद जैन ---------- ९७
उत्तर प्रदेश में जैनों की वर्तमान स्थिति – श्री रमाकान्त जैन ---------- ९९
उत्तर प्रदेश में तीर्थंकर महावीर – डॉ. शशिकान्त---------- १०५
उत्तर प्रदेश के उत्कीर्ण लेख और उनका महत्त्व – श्री शैलेन्द्र रस्तोगी ----------११२
राज्य संग्रहालय लखनऊ की महावीर प्रतिमें – डॉ. नीलकण्ठ पुरुषोत्तम जोशी ---------- ११७
नीलांजना नृत्य पट – श्री वी. एन. श्रीवास्तव ----------११८
मथुरा संग्रहलाय की कुषाणकालीन जैन मूर्तियाँ – श्री रमेशचन्द्र शर्मा ---------- ११९
उत्तर भारत के तीन प्राचीन जैन तीर्थ – मुनि जयान्त विजय ---------- १२६
स्वतन्त्रता संग्राम के उत्तर प्रदेश के जैनों का योगदान – बा. रतनलाल जैन वकील---------- १२७
खण्ड-७ – श्री महावीर निर्वाण समिति, उत्तर प्रदेश ---------- १-३२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org